प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

(2017-2018)

हिन्दी ब

कक्षा दसवीं

निर्धारित समय 3 घंटे अधिकतम अंकः80

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – 'क' **अंक-15**

अपठित अंश

1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- संस्कृत में एक कहावत है कि दुर्जन दूसरों के राई के समान मामूली दोषों को पहाड़ के समान बड़ा बनाकर देखता है और अपने पहाड़ के समान बड़े पापों को देखते हुए भी नहीं देखता। सज्जन या महात्मा ठीक इससे विपरीत होते हैं। उनका ध्यान दूसरों की बजाय केवल अपने दोषों पर जाता है। अधिकांश व्यक्तियों में कोई न कोई बुराई अवश्य होती है। कोई भी बुराई न होने पर व्यक्ति देवता की कोटि में आ जाता है। मनुष्य को अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, न कि दूसरों की कमियों को लेकर छींटाकशी करने या टीका टिप्पणी करने का। अपने मन की परख मन को पवित्र करने का सबसे उत्तम साधन है। आत्मनिरीक्षण आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। महात्मा कबीर ने कहा है कि जब मैने मन की पड़ताल की तो मुझे अपने जैसा बुरा कोई न मिला। महात्मा गाँधी ने कई बार स्पष्ट रूप से कहा था कि मैने जीवन में हिमालय जैसी बड़ी भूल की है। अपनी भूलों को ध्यान देना या उन्हे स्वीकार करना आत्मबल का चिह्न है। जो लोग दूसरों के सामने अपनी भूल नहीं मानते और न ही अपने को दोषी स्वीकार करते है, वे सबसे बड़े कायर है। जिनका अंतःकरण शीशे के समान उजला है, उसे झठ अपनी भूल महसूस हो जाती है। मन तो दर्पण है। मन में पाप है तो जग में पाप दिखाई देता है। पवित्र आचरण वाले अपने मन को देखते हैं तो उन्हे लगता है कि अभी इसमें कोई कमी रह गई है।	9

	इसलिए वे अपने को बुरा कहते हैं। यही उनकी नम्रता व साधना है।	
(i)	दुर्जन व सज्जन व्यक्ति अपनी किस चारित्रिक विशेषता के कारण भिन्न कहलाते हैं?	2
(ii)	उन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग किसे व क्यों माना गया है ?	2
(iii)	सबसे बड़ा कायर कौन है?	2
(iv)	सज्जन व्यक्तियों की नम्रता का परिचय किस प्रकार मिलता है?	2
(v)	उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए?	1
2	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः- जो नहीं हो सके पूर्ण काम मै उनको करता हूँ प्रणाम। कुछ कुंठित औ कुछ लक्ष्य भ्रष्ठ जिनके अभिमंत्रित तीर हुए; रण की समाप्ति से पहले जो वीर रिक्त तूणीर हुए उनको प्रणाम। जो छोटी सी नैया लेकर उतरे करने को उदाधि - पार; मन की मन में हो रही, स्वयं हो गए उसी में निराकार उनको प्रणाम। जो उच्च शिखर की और बढ़े रह रह नव-नव उत्साह भरे। पर कुछ ने ले ली हिम समाधि; कुछ असफल ही नीचे उतरे उनको प्रणाम। कृतकृत्य नहीं जो हो पाए, प्रत्युत फाँसी पर गए झूल कुछ ही दिन बीते है, फिर भी यह दुनिया जिनको गई भूल ! उनको प्रणाम।	2X3=6
(i)	कवि किनको प्रणाम करता है व क्यों ?	2
(ii)	'छोटी सी नैया से कवि का आशय है और उनका क्या हश्र हुआ ?	2
(iii)	कृतकृत्य कौन नहीं हो पाए? दुनिया ने उनके साथ क्या व्यवहार किया ?	2
	खंड - ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	अंक 15
3 क)	शब्द और पद में उदारहण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।	2
ख)	नीचे लिखे वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए।	**3**
(i)	वह आए तो तुम छिप जाना। (सरल वाक्य)	
(ii)	गौरव ने अक्षय से नेपाल चलने के लिए कहा (मिश्र वाक्य)	
(iii)	वह पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करता है (संयुक्त वाक्य)	
4. (क)	निम्नलिखित शब्दों का सामासिक पद बनाकर समास के भेद का नाम भी लिखिए	

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

	कला में कुशल, जितना संभव हो	**2**
ख)	निम्नलिखित समस्त पदों का समास विग्रह करके समास के भेद का नाम लिखिए। संसार सागर, सतसई	**2**
5. क)	निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए	**4**
(i)	मुझे एक दूध का गरम गिलास दीजिए	
(ii)	सारे देश के नागरिक कर्तव्य निष्ठ है	
(iii)	रोगी मोहन को काटकर सेब खिलाओ	
(iv)	शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा।	
ख) (i)	रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए। जब तक मनुष्य पर जिम्मेदारी नहीं आती तब तक उसे _____पता नहीं चलता।	**1**
(ii)	'एक ही राग अलापना' - मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयुक्त कीजिए	**1**
	खंड - ग	
6	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए	**2+2+1=5**
(i)	गाँधी जी में नेतृत्व की अदभुत क्षमता थी। पाठ गिन्नी का सोना के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	
(ii)	गिरगिट कहानी समाज की किन विसंगतियों की ओर इशारा करती है?	
(iii)	समुद्र किनारे बैठे हुए तँतारा की तंद्रा कैसे टूटी?	
7	बड़े भाई साहब का चरित्र चित्रण लिखिए अथवा वजीर अली की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए	**5**
8	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए	
(i)	'जगतु तपोवन सौ किए' दोहे के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते है?	**2**
(ii)	सुमित्रानंदन पंत जी कल्पना के सुकुमार कवि है- स्पष्ट कीजिए।	**2**
(iii)	कवि सहायक न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है?	**1**
9	मनुष्यता कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? अथवा कर चले हम फिदा गीत में गीतकार ने नवयुवकों को क्या संदेश दिया है?	**5**
10	समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? हरिहर काका पाठ के आधार पर बताइए अथवा 'मित्रता और आत्मीयता जाति व भाषा के बधनों से परे होते है' - टोपी शुक्ला पाठ	**5**

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

	के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।	
	खंड़ घ **(लेखन)**	
11	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-	**5**
क)	आज का युवा संसार - युवाओँ में अदम्य साहस व शक्ति, जागरूकता, देश के प्रति प्रेम	
ख)	संयुक्त परिवार - आज की आवश्यकता - युवा पीढ़ी को रिश्तों का ज्ञान, मिल-जुल कर रहने की भावना, अच्छे संस्कारों का ग्रहण, बुजुर्गों की उपस्थिति व महत्ता, अकेलपन से मुक्ति	
ग)	स्वरोजगार-प्रगति की ओर - भारतीय अर्थव्यवस्था, समय की माँग, युवा प्रतिभा को निखरने का मौका	
12	आपके विद्यालय का पुस्तकालय विभिन्न प्रकार की पुस्तकों से भरा हुआ है परंतु हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का अभाव है। हिन्दी की पत्र-पत्रिकाओं व उच्चकोटि का साहित्य मंगवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए अथवा आपके इलाके के पार्क में कई अनाधिकृत खोंमचे वालो ने डेरा बसा लिया है उन्हे हटाने के लिए नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए।	**5**
13	आप अपने विद्यालय के सचिव है व विद्यालय में दिवाली मेला आयोजित करना चाहते हैं। उससे संबंधित छात्रों के लिए 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। अथवा आप अपने इलाके के गरीब बच्चों को प्रत्येक शनिवार रविवार निशुल्क पढ़ाना चाहते हैं। उससे संबंधित सूचना जारी कीजिए	**5**
14	ग्याहरवीं कक्षा में विषयों के चयन से संबंधित माँ व पुत्री के बीच लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखिए। अथवा सड़को पर फैली गंदगी के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए दो छात्रों के बीच लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखिए।	**5**
15	आप अपना पुराना कम्प्टूयर बेचना चाहते है उससे संबंधित 25-50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा	**5**

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

	आप अपनी बहन के लिए एक स्कूटर खरीदना चाहते हैं । उससे संबंधित 25-50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए।	

प्रतिदर्श उत्तर तालिका
सत्रांत परीक्षा - 2017-18
हिन्दी- 'ब'
कक्षा दसवीं

समय 3 घंटे अधिकतम अंकः 80

खंड – 'क' **अंक-15**

1	**अपठित अंश** 2x4, 1x1 =	9
(i)	दुर्जन केवल दूसरों की बुराइयों, दोषों में समय बर्बाद, सज्जन केवल अपने दोषों व कमियों को देखकर उन्हें सुधारने में प्रयासरत।	2
(ii)	आत्मनिरीक्षण आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ साधन, अपने मन की परख मन को पवित्र करने का उत्तम साधन। यही आत्मबल का परिचय।	2
(iii)	दूसरों के सामने अपनी गलतियों को नजर अंदाज करके उन्हे छुपाना या अपनी भूल न मानना न स्वयं को दोषी स्वीकार करना सबसे बड़ी कायरता।	2
(iv)	सज्जन व्यक्ति अपने मन को टटोलते है। गाँधी व कबीर जैसे सज्जन व्यक्ति सबसे पहले स्वयं को परखते थे। सज्जन व्यक्ति को लगता है कि अभी भी शायद उनमें कोई कमी रह गई है।	2
(v)	"बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय"	1
2	अपठित काव्यांश	2X3=6
(i)	कवि का उन लोगों का प्रणाम जो अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त नहीं कर सके। यद्पि उन्होंने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया था, पर परिस्थितिवश उन्हे इच्छित लक्ष्य की प्राप्ति न हो सकी। यह बात देश को स्वतंत्र करवाने के संदर्भ में कही गई।	2
(ii)	छोटी सी नैया से कवि का आशय है सीमित साधनों के बलबूते पर उन लोगों ने सागर को पार करने की ठानी थी। यह सागर अंग्रेजी साम्राज्य था, देशभक्त उससे सीमित साधनों के बलबूते पर टक्कर लेना चाह रहे थे।	2
(iii)	जो व्यक्ति अपने लक्ष्य को पाने में असफल रहे अब वे अंग्रेजो द्वारा पकड़े जाने पर फाँसी के फंदे पर झूल गए। कुछ दिन बीतने के बाद दुनिया उनको भूल गई, हाँ कवि को उनका स्मरण अवश्य है।	2
	खंड - ख	
3 क)	वर्णों के मेल से बना स्वतंत्र सार्थक ध्वनि समूह 'शब्द' कहलाता है। जब वही शब्द व्याकरणिय नियमों के अनुसार वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब वही शब्द पद बन जाता है।	2

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

ख) (i)	सरल – उनके आने पर तुम छिप जाना।	**3**
(ii)	मिश्र - गौरव ने अक्षय से कहा कि वह भी नेपाल चले	
(iii)	संयुक्त - वह पढ़ता भी है और काम भी करता है।	
4. (क)	कलाकुशल - तत्पुरूष समास यथासंभव-अव्ययी भाव समास	**½ x4=2**
ख)	संसाररूपी सागर - कर्मधारय	**½ x4=2**
	सात सौ दोहों का समाहार - द्विगु समास	
5 (क) (i)	मुझे गरम दूध का एक गिलास दीजिए।	**4**
(ii)	देश के सारे नागरिक कर्तव्य निष्ठ है।	
(iii)	रोगी मोहन को सेब काटकर खिलाओ	
(iv)	देश शहीदों का सदा आभारी रहेगा।	
5 (ख) (i)	मुहावरा - आटे दाल का भाव मालूम होना या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	**1**
(ii)	एक ही बात को बार-बार कहना व उपयुक्त वाक्य	**1**
	खंड - 'ग'	
6 (i)	गाँधी जी के नेतृत्व में लाखों लोग एकजुट, अंग्रेजी शासन की नीद हराम, अनेक आंदोलन, जन साधारण ने बढ़-चढ़कर गाँधी जी का साथ दिया।	**2**
(ii)	समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, उच्च वर्ग का दबदबा, अस्थिरता, भाई भतीजावाद व लोगों का अवसरवादी होना।	**2**
(iii)	वामीरो के मधुर गीत से तँतारा की तंद्रा टूटी।	**1**
7	बड़े भाई साहब का चरित्र - छोटे भाई के प्रति विशेष स्नेह, स्वयं की इच्छाओं पर नियत्रंण, जीवन की समझ स्वयं को छोटे भाई के लिए आदर्श बनाने का प्रयास अनुशासित। अथवा वजीर अली, साहसी, क्रोधी/गुस्सैल, न्यायप्रिय अनुशासित, जाँबाज वीर बुद्धिमान	**5**
8 (i)	विपरीत परिस्थितियों में जीवों द्वारा आपसी वैर भुलाकर मिल-जुलकर रहने के संदेश जैसे जंगल के पशुओं द्वारा ग्रीष्म ऋतु में सरोवर के पास एक रहने का उदाहरण।	**2**
(ii)	कविता में प्रकृति को मनुष्य की भाँति कल्पित किया है। पहाड़ द्वारा तालाब के दर्पण में आपसी सूरत निहारना, झरनों को मोती स्वरूप, पेड़ो का भय से धंसना बादलों व बिजली का रथ पर सवार होना इत्यादि।	**2**
(iii)	सहायक न मिलने पर भी कवि का बल व पौरूष कायम रहना चाहिए व संघर्ष करने की शक्ति होना चाहिए।	**1**
9	मनुष्यता कविता का संदेश	**5**

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

	सर्वस्व परोपकार के लिए न्यौछावर हमारा मन, कर्म, वचन में उदारता परहित सर्वोपरि, आपसी भेद-भाव व द्वेष भाव मिटाकर एक हो जाने का संदेश, धन का लालच नहीं करना चाहिए, मानव सेवा ही ईश्वर पूजा का संदेश अथवा देश की रक्षा करना सबसे बड़ा धर्म व कर्तव्य, देश के मान के लिए सर कटवाने को भी तैयार, रावण रूपी शत्रुओं का नाश, इतना आत्मबल हो कि दुश्मन की चाल का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम	
10	आधुनिक युग रिश्ते भावनाओं की सीमाओं से परे केवल धन-दौलत पर आधारित, हरिहर काका अपनी मर्जी से चाहे सब कुछ अपने भाइयों को ही देते लेकिन भाइयों के लालच व आतुर स्वभाव के कारण उनकी असलियत सामने आ गई, महंत यूं तो धर्म का ठेकेदार परंतु वह भी लालच के कारण इंसानियत की सारी हदों कों पार कर गया। हरिहर काका को न तो अपनों से प्यार मिला व दूसरों से हमदर्दी। आज के रिश्ते केवल दिखावे के लिए व अंदर से खोखले। अथवा टोपी की मित्रता एक अन्य धर्म के लड़के से, उसकी दादी से उसे अपनापन महसूस होता था। वह ज्यादा से ज्यादा समय अपने मित्र की दादी के साथ बिताना चाहता था। दादी और पोते के मित्र के बीच लंबा उम्र का अंतराल परंतु दोनों के मन मिल गए, टोपी को जो प्यार अपने घर में न मिलता वह उसे मित्र, उसकी दादी व अपने घर की नौकरानी से पाने की कोशिश करता।	**5**
	खंड - 'घ'	
11	अनुच्छेद लेखन प्रारूप - 1 अंक विषय वस्तु - 2 अंक भाषा - 1 अंक अंत - 1 अंक	**5**
12	औपचारिक पत्र पत्र प्रारूप - 2 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**
13	सूचना लेखन लेखन प्रारूप - 2 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

14	संवाद लेखन भाषा शैली - 2 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**
15	विज्ञापन लेखन प्रारूप - 1 अंक भाषा - 1 अंक विषय-वस्तु - 3 अंक	**5**

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/